THE VILLAGE
INTERNATIONAL SCHOOL
"We Nurture Dreams"

AIM HIGH, TOGETHER WE FLY

पाठ -2

पद (मीराबाई)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1.मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती किस प्रकार की है?

मीराबाई सगुण भक्ति परंपरा की कृष्ण भक्त कवयित्री हैं। उनके पद्य में हमें कृष्ण के प्रति अपार श्रद्धा भक्ति और प्रेम का दर्शन मिलता है।

मीरा ने अपनी पीड़ा हरने की विनती इस प्रकार की है कि हे ईश्वर! जैसे आपने द्रौपदी की लाज रखी थी, गजराज को मगरमच्छ रूपी मृत्यु के मुख से बचाया था तथा भक्त प्रहलाद की रक्षा करने के लिए ही आपने नरसिंह अवतार लिया था, उसी तरह मुझे भी सांसारिक संतापों से मुक्ति दिलाते हुए अपने चरणों में जगह दीजिए।

2. मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती हैं? स्पष्ट कीजिए।

मीराबाई सगुण भक्ति परंपरा की कृष्ण भक्त कवयित्री हैं। उनके पद्य में हमें कृष्ण के प्रति अपार श्रद्धा भक्ति और प्रेम का दर्शन मिलता है।मीरा श्री कृष्ण को सर्वस्व समर्पित कर चुकी हैं इसलिए वे केवल कृष्ण के लिए ही कार्य करना चाहती हैं। श्री कृष्ण की समीपता व दर्शन हेतु उनकी दासी बनना चाहती हैं। वे चाहती हैं दासी बनकर श्री कृष्ण के लिए बाग लगाए, उन्हें वहाँ विहार करते हुए देखकर दर्शन सुख प्राप्त करें। वृंदावन की कुंज गलियों में उनकी लीलाओं का गुणगान करना चाहती हैं। इस प्रकार दासी के रूप में दर्शन, नाम स्मरण और भाव-भक्ति रूपी जागीर प्राप्त कर अपना जीवन सफल बनाना चाहती हैं।

3.मीराबाई ने श्रीकृष्ण के रूप-सौंदर्य का वर्णन कैसे किया है?

मीराबाई सगुण भक्ति परंपरा की कृष्ण भक्त कवयित्री हैं। उनके पद्य में हमें कृष्ण के प्रति अपार श्रद्धा भक्ति और प्रेम का दर्शन मिलता है।

मीराबाई ने श्रीकृष्ण के रूप-सौंदर्य का अलौकिक वर्णन किया है कि वे पीतांबर (पीला)वस्त्र धारण किए हुए हैं, जो उनकी शोभा को बढ़ा रहे हैं। मुकुट में मोर पंख पहने हुए हैं तथा गले में वैजयंती माला पहनी हुई है, जो उनके सौंदर्य में चार चाँद लगा रहे है। वे ग्वाल-बालों के साथ गाय चराते हुए मुरली बजा रहे हैं।

5.मीराबाई श्रीकृष्ण को पाने के लिए क्या-क्या कार्य करने को तैयार हैं?

मीराबाई सगुण भक्ति परंपरा की कृष्ण भक्त कवयित्री हैं। उनके पद्य में हमें कृष्ण के प्रति अपार श्रद्धा भक्ति और प्रेम का दर्शन मिलता है। मीरा श्रीकृष्ण को पाने के लिए उनकी चाकर (नौकर) बनकर चाकरी करना चाहती हैं अर्थात् उनकी सेवा करना चाहती हैं। वे उनके लिए बाग लगाकर माली बनने तथा अर्धरात्रि में यमुना-तट पर कृष्ण से मिलने व वृंदावन की कुंज-गलियों में घूम-घूमकर गोविंद की लीला का गुणगान करने को तैयार हैं।

<u>लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर</u>

1.कवयित्री मीरा ने अपने प्रभु से क्या प्रार्थना की है? प्रथम पद के आधार पर लिखिए।

कवयित्री मीरा ने अपने प्रभु श्रीकृष्ण से लोगों की पीड़ा दूर करने की प्रार्थना की है। उनके प्रभु श्रीकृष्ण ने द्रौपदी, प्रहलाद और गजराज की जिस तरह सहायता की थी और उन्हें विपदा से मुक्ति दिलाई उसी तरह मीरा अपनी पीड़ा दूर करने की प्रार्थना अपने प्रभु से की है।

2.कवयित्री मीरा ने श्रीकृष्ण को उनकी क्षमताओं का स्मरण क्यों कराया ?

कवयित्री मीरा श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त एवं उपासिका थी। उन्होंने अपने प्रभु के दयालु स्वभाव की कहानियाँ सुन रखी थी। मीरा जानती थी कि उनके प्रभु के लिए उनकी पीड़ा का निवारण कठिन कार्य नहीं है। उन्होंने तो इस तरह का अनेक कार्य पहले भी किया है। श्रीकृष्ण उनकी पुकार को शीघ्र सुनें, इसलिए मीरा ने श्रीकृष्ण को उनकी क्षमताओं का स्मरण कराया है।

3.श्री कृष्ण ने गजराज की मदद किस तरह की थी ?

एक बार गजराज किसी बड़े जलाशय में नहाने गया। वह नहाने में व्यस्त था, तभी उसके पैर को एक मगरमच्छ ने मुंह में दबाया और उसे गहराई में खींचने लगा। असहाय हाथी गहरे पानी में सरकने लगा।

अपनी मृत्यु निकट देखकर गजराज ने कमल पुष्प उठाया और प्रभु को मदद के लिए पुकारा। उसकी पुकार सुनकर प्रभु नंगे पाँव दौड़े आए। उन्होंने मगरमच्छ को मारकर गजराज को बचाया।

4.भगवान को नरहरि का रूप क्यों धारण करना पड़ा ?

हिरण्यकश्यप नामक एक अत्याचारी एवं अभिमानी राजा था। वह स्वयं को ही ईश्वर मानता था; परंतु उसका पुत्र ईश्वर का परम भक्त था। हिरण्यकश्यप ने प्रहलाद को तरह-तरह से समझाया कि वह प्रभु भक्ति छोड़कर उसे (हिरण्यकश्यप) ही भगवान माने पर प्रहलाद तैयार न हुआ। उसके पिता उसे तरह-तरह की यातना दी पर प्रहलाद का विश्वास प्रभु में बढ़ता ही गया। एक बार जब उसने प्रहलाद की जान लेनी चाही तो भगवान ने नरसिंह का रूप धारण कर प्रहलाद की रक्षा की और हिरण्यकश्यप को मार दिया।

5.'तीनू बाताँ सरसी' के माध्यम से कवयित्री क्या कहना चाहती है? उसकी यह मनोकामना कैसे पूरी हुई ?

कवयित्री मीरा अपने प्रभु श्री कृष्ण की अनन्य भक्त थीं। वह श्रीकृष्ण की चाकरी करके उनका सामीप्य पाना चाहती थी। इस चाकरी से उन्हें अपने प्रभु के दर्शन मिल जाते। उनका नाम स्मरण करने से स्मरण रूपी जेब खर्च मिल जाता और भक्ति भाव रूपी जागीर उन्हें मिल जाती। उन्होंने अपनी इस मनोकामना की पूर्ति कृष्ण की अनन्य और भक्ति के माध्यम से पूरी की।

6.कवयित्री मीरा अपने प्रभु के सौंदर्य पर क्यों रीझी हुई हैं? स्पष्ट कीजिए।

कवयित्री मीरा के प्रभु का रूप-सौंदर्य अत्यंत सुंदर है। उनके प्रभु के सिर पर मोर मुकुट है। उनके गले में वैजयंती के फूलों की सुंदर माला सुशोभित है। वे मधुर धुन में मुरली बजाते हुए वृंदावन में गाय चराते हैं। इसी अद्वितीय सौंदर्य के कारण मीरा अपने प्रभु पर रीझी हैं।

1. मीरा अपने आराध्य श्रीकृष्ण का दर्शन और सामीप्य पाने के लिए क्या-क्या उपाय करती हैं ?

कवयित्री मीरा अपने प्रभु की भक्ति में डूबकर उनका सामीप्य और दर्शन पाना चाहती हैं। इसके लिए वे चाहती हैं कि श्रीकृष्ण उन्हें अपनी चाकरी में रख लें। मीरा बाग लगाना चाहती हैं ताकि श्रीकृष्ण वहाँ घूमने आए और उन्हें दर्शन मिल सके। वे श्रीकृष्ण का गुणगान ब्रज की गलियों में करती हुई घूमना-फिरना चाहती हैं। मीरा विशाल भवन में भी बगीचा बनाना चाहती हैं ताकि उस बगीचे में घूमते श्रीकृष्ण के दर्शन

कर सके। वे श्री कृष्ण का सामीप्य पाने के लिए कुसुंबी रंग की साड़ी पहनती हैं और अपने प्रभु से प्रार्थना करती हैं कि वे आधी रात में यमुना के किनारे मिलने की कृपा करें क्योंकि इस मिलन के लिए उनका मन बेचैन हो रहा है।

<u>प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए।</u>

1. मीरा आधी रात को श्री कृष्ण को कहाँ पर मिलना चाहती है ?

(a) अपने घर पर

(b) घर की छत पर

(c) यमुना के तट पर

(d) मंदिर में

2. मीरा हर रोज़ सुबह उठकर किसके दर्शन करना चाहती है ?

(a) श्री राम के

(b) अपने पति के

(c) श्री कृष्ण के

(d) पिता के

3.मीरा के काव्य की कितनी कृतियाँ उपलब्ध हैं ?

(a) सात - आठ

(b) सात -दस

c) चार - पांच

(d) कोई नहीं

4.मीरा श्री कृष्ण के दर्शन किस रंग की साड़ी पहन कर करना चाहती है ?

(a) लाल रंग

(b) योगी रंग

(c) कुसुम्बी रंग

(d) रंग बिरंगी

5. मीरा श्री कृष्ण के पास रहने के कौन से फायदे बताती है ?

(a) उसे हमेशा दर्शन प्राप्त होंगे

(b) उसे श्री कृष्ण को याद करने की जरूरत नहीं होगी

(c) उसकी भाव भक्ति का साम्राज्य बढ़ता ही जायेगा।

(d) **सभी**

6.मीरा के भक्ति भाव का साम्राज्य कैसे बढ़ेगा ?

(a) **मीरा के कृष्ण के पास रहने से**

(b) मीरा के नृत्य करने से

(c) मीरा के गली गली घूमने से

(d) मीरा के दोहे लिखने स

7."बूढ़तो गजराज राख्यो , काटी कुंजर पीर ।" पंक्ति पर भाव प्रकट करें ।

(a) **जैसे अपने ऐरावत को मगरमच्छ से बचाया**

(b) जैसे आपने इंद्र को मगरमच्छ से बचाया

(c) जैसे आपने भगवान् को मगरमच्छ से बचाया

(d) सभी

8.मीरा श्री कृष्ण को पाने के लिए क्या क्या करने को तैयार है ?

(a) बाग बगीचे लगाने को

(b) ऊंचे महल बनवाने को

(c) दासी बनने को

(d) **सभी**

9.मीराबाई ने श्री कृष्ण के रूप सौंदर्य का वर्णन कैसे किया है ?

(a) **पीताम्बर मनमोहक के रूप में**

(b) पीताम्बर जनमोहक के रूप में

(c) पीताम्बर के रूप में

(d) किसी रूप में नहीं

10.किसको बचाने के लिए श्री कृष्ण ने नरसिंह का रूप धारण किया था ?

(a) **भक्त प्रह्लाद**

(b) भक्त ऐरावत

(c) भक्त अहलावत

(d) सभी